



भारतीय सेना ने सेवा इकाइयों की स्थिति के बारे में भ्रम को दूर किया

Posted On: 12 OCT 2017 1:23PM by PIB Delhi

सेना कमांडर्स सम्मेलन के दौरान सेना की गैर लड़ाकू सेवाओं के विषय पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में आर्मी सर्विस कोर (एएससी) के कुछ कर्मियों ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि गैर लड़ाकू श्रेणी होने के कारण उनकी युद्धक्षेत्र में तैनाती के लिए विचार नहीं किया जाता है। इस पर प्रकाश डाला गया कि सेना ने सर्वोच्च न्यायालय में दिये गए हलफनामा में निम्नलिखित का उल्लेख किया है:-

1. नियंत्रण रेखा, कम तीव्रता संघर्ष, उग्रवाद निरोधी और आंतकवाद निरोधी कार्यवाही में मजबूती के लिए प्रोत्साहन हेतु सहयोगी शाखाओं और संचालन इकाई के बहुत से अधिकारी, जेसीओ और अन्य कर्मियों को पैदल सेना की उग्रवाद और आंतकवाद निरोधी इकाईयों में तैनात किया गया है। यह इन अधिकारियों, जेसीओ और अन्य कर्मियों को संचालन संबंधी आवश्यक अनुभव प्रदान करता है। इन भूमिकाओं में कर्मियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है।
2. सेना युद्ध और शांति परिस्थितियों में अपना दायित्व समान रूप से निभाती है। सेना की प्रत्येक शाखा की निर्धारित भूमिका और कार्य है।
3. लड़ाकू शाखा/ लड़ाकू सहयोगी शाखा और सेवा शाखा भारतीय सेना की संचालन इकाईया हैं जिनके कर्तव्य एवं कार्यों की भूमिका निर्धारित हैं। संचालन के दौरान लड़ाकू इकाईयों को सेवा इकाई द्वारा दिए जा रहे संचालन सहयोग का महत्व कम किए बिना सेना का लगातार ये पक्ष कहा है कि एएससी, आयुध और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं तकनीकी अभियंताओं (इएम्ई) की प्रमुखों को अग्रिम बलों के सम्पर्क में रहने की आवश्यकता बड़े स्तर पर नहीं है। शारीरिक क्षमता प्रासंगिक होने के कारण सेवा सेवाओं की आयु लड़ाकू बलों से अधिक हो सकती है। सभी सैन्य बल एवं सेवाओं के लड़ाकू होने के कारण यह कभी भी विवाद का विषय नहीं रहा। इसलिए सेना ने सेवा इकाइयों को कभी भी गैरलड़ाकू इकाई नहीं कहा है।
4. इसके अलावा सेना प्रमुख ने पदभार ग्रहण करने पर उल्लेख किया था कि वह सभी सैन्य बलों और सेवाओं का ध्यान रखेंगे और उन्हें यथायोग्य लाभ मिलेगा। इस सम्मेलन के दौरान किसी सैन्य शाखा या सेवाओं द्वारा उठाए गए मुद्दों का समाधान किया जाएगा। कुछ सैन्य कर्मियों के बीच अंतर को लेकर व्यथा को समाप्त किया जाएगा और सेना प्रमुख ने आश्वासन दिया है इस संबंध में सभी आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

वीएल/पीकेए/पीबी - 5032

(Release ID: 1505811) Visitor Counter : 11

